पाठ 5

महाराणा प्रताप

वह मातृभूमि का रखवाला
आन–बान पर मिटने वाला,
स्वतंत्रता की वेदी पर
जिसने सब कुछ था दे डाला।

स्वाभिमान का अटल हिमाला
कष्टों से कब डिगने वाला,
जो सोच लिया कर दिखलाया
ऐसा प्रताप हिम्मत वाला।

थे कई प्रलोभन, झुका नहीं,
आँधी तूफां में रुका नहीं,
आज़ादी का ऐसा सूरज
उजियारा जिसका चुका नहीं।

वह नीले घोड़े का सवार
वह हल्दीघाटी का जुझार,
वह इतिहासों का अमर पृष्ठ
मेवाड़ शौर्य का वह अंगार।

धरती जागी, आकाश जगा
वह जागा तो मेवाड़ जगा,
वह गरजा, गरजी दसों दिशा
था पवन रह गया ठगा–ठगा।

हर मन पर उसका था शासन
पत्थर–पत्थर था सिंहासन,
महलों से नाता तोड़ लिया
थी सारी वसुधा राजभवन।

वह जन–जन का उन्नायक था
वह सबका भाग्य विधायक था,
सेना थी उसके पास नहीं
फिर भी वह सेनानायक था।

जंगल–जंगल में वह घूमा
काँटों को बढ़–बढ़ कर चूमा,
जितनी विपदाएँ प्रखर हुईं
उतना ही ज्यादा वह झूमा।

सब विपक्ष में था उसके
बस, सत्य पक्ष में था उसके,
समझौता उसने नहीं किया
जाने क्या मन में था उसके।

वह सत्यपथी, वह सत्यकृती,
वह तेजपुंज, वह महाधृती,
वह शौर्यपुंज, भू की थाती
वह महामानव, वह महाव्रती।

शब्दार्थ

रखवाला	–	रक्षा करने वाला	प्रखर	–	तेज
अंगार	–	अंगारा	शौर्य	–	शूरता, पराक्रम
महाधृती	–	महान् धैर्यवान	विधायक	–	विधान करने वाला
आन–बान	–	गौरव की भावना	वेदी	–	धार्मिक कार्य हेतु बनाया हुआ स्थल
महाव्रती	–	महान् व्रत का पालन करने वाला			

अभ्यास कार्य

पाठ से

सोचें और बताएँ

1. धरती जागी, आकाश जगा
   वह जागा, तो मेवाड़ जगा।
   उक्त पंक्तियों का अर्थ बताइए।
2. प्रताप को मातृभूमि का रखवाला बताया गया है, क्यों?

लिखें

बहुविकल्पी प्रश्न

1. प्रस्तुत कविता में कवि ने प्रताप के स्वाभिमान को बताया है–
   (क) अपार सिंधु–सा (ख) अटल हिमालय–सा
   (ग) वन की आग–सा (घ) चंद्र की किरणों–सा ( )
2. महाराणा प्रताप के पक्ष में था–
   (क) सत्य (ख) असत्य
   (ग) प्रलोभन (घ) समझौता ( )

लघूत्तरात्मक प्रश्न

1. ''आँधी तूफाँ में रुका नहीं'' पंक्ति में आँधी तूफान किसके प्रतीक हैं?
2. सेना के अभाव में भी प्रताप को सेनानायक क्यों कहा गया है?
3. प्रताप को कवि ने किन–किन उपमाओं से उपमित किया है?

दीर्घ उत्तरात्मक प्रश्न

1. इस कविता में कवि ने प्रताप के चरित्र की किन–किन विशेषताओं का चित्रण किया है?
2. निम्न पंक्तियों की व्याख्या कीजिए–
   (क) वह इतिहासों का अमर पृष्ठ
   मेवाड़ शौर्य का वह अंगार।
   (ख) सब विपक्ष में था उसके
   बस, सत्य पक्ष में था उसके।

भाषा की बात

1. नीचे एक शब्द का वर्ण विश्लेषण दिया गया है, इसे समझकर दिए गए शब्दों का वर्ण विश्लेषण कीजिए–

   मातृभूमि – म् + आ + त् + ऋ + भ् + ऊ + म् + इ

   प्रलोभन, शौर्य, महाधृती

2. निम्न शब्दों में से शुद्ध शब्द का चयन कर लिखिए–

   (क) सत्यकति, सतकति, सत्यकृति

   (ख) विधायक, विदायक, विधायिक

   (ग) सौर्य, शौर्य, शोर्य

3. निम्नलिखित शब्द समूहों के लिए एक शब्द लिखिए–

   (क) जिसे टाला न जा सके

   (ख) जो शांत न हो

   (ग) कभी न मरता हो

4. निम्नलिखित शब्दों को शब्दकोश क्रम में लिखिए–

   मातृभूमि, प्रलोभन, शौर्य, राष्ट्र, उन्नायक, काँटा, स्वाभिमान, हिम्मतवाला, गंभीर

पाठ से आगे

1. यदि महाराणा प्रताप अकबर की अधीनता स्वीकार कर लेते, तो क्या होता?
2. महाराणा प्रताप ने मातृभूमि की रक्षा के लिए अपना सब कुछ न्योछावर कर दिया था। मातृभूमि के लिए सब कुछ न्योछावर करने वाले प्रताप की जीवनी का अध्ययन कीजिए।
3. प्रताप से संबंधित अन्य कविताओं एवं गीतों का संकलन कर बाल सभा में सुनाइए।

यह भी पढ़ें

1. शेष नाग सिर सहस्र पै, धर धारी खुद आप।
   इक भाला की नोक पै, थैं ढाबी परताप।।
   (हे प्रताप! ईश्वर के अवतार शेषनाग ने अपने सहस्र फणों पर पृथ्वी को थाम रखा है ; किंतु आपने तो भाले की एक नोक पर (मातृभूमि की रक्षा करते हुए) उसे थामे रखा है।)
2. सिर दे दै नहँ दै धरा, यो भड़पण अणमाप।
   नहँ सिर दै, नहँ दै धरा, सो बाजै परताप।।
   (राजस्थान के वीरों की परंपरा रही है कि वे सिर दे देते हैं ; किंतु धरती पर दूसरों का अधिकार नहीं होने देते हैं। यह उनके अद्‌भुत शौर्य का उदाहरण है किंतु जो न तो सिर देता है और न ही धरती देता है, वह प्रताप कहलाता है।)

जानें, गुनें और जीवन में उतारें

''मेरे हृदय में केवल एक ही अभिलाषा बाकी है कि मैं अपनी मातृभूमि का रज कण बनूँ''